मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

अक्टूबर 2024 अंक

तपोवन में ओपन जिम के लोकार्पण के दौरान कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और सांसद लक्ष्मीकांत बाजपेयी (बाएं)। (खबर पेज 2 पर)

रूसी भाषा पढ़ाने आईं विदेशी शिक्षिका, क्रैश कोर्स कराया

परिसर संवाददाता

मेरठ। रूस के मिनिन विश्वविद्यालय से रूसी भाषा की विशेषज्ञ डॉ. नादेज्या कोटलियावेवेसकायिया पिछले दिनों चौधरी चरण चरण सिंह विश्वविद्यालय पहुंची और परिसर में छात्र–छात्राओं को रूसी भाषा का 15 दिन का क्रैश कोर्स कराया।

डॉ. नादेज्या कोटलियावेवेसकायिया का सीसीएसयू में आगमन राजभवन में गत 23 सितंबर को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में सीसीएसयू व रूस की मिनिन यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू के तहत हुआ। इसके तहत रूस का यह विश्वविद्यालय सीसीएसयू में अपना रशियन अध्ययन केंद्र खोलेगा।

कोर्स के समापन के बाद कोर्स करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बुके भेंट कर डॉ. नादेज्या का आभार जताया। उन्होंने इसे छात्र–छात्राओं के लिए रूसी भाषा सीखने का एक सुनहरा अवसर बताया।

दुनिया के टॉप दो प्रतिशत विज्ञानियों में शामिल हैं सीसीएसयू के भी छह विज्ञानी

दो एमिरेटस, तीन वर्तमान प्रोफेसर्स संग एक शोधार्थी को मिला सूची में स्थान

परिसर संवाददाता

मेरठ। अमेरिका के स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से जारी 2024 के विश्व के टॉप दो प्रतिशत विज्ञानियों की सूची में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) के भी छह विज्ञानी शामिल हैं।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की ओर से एल्सेवियर के सहयोग से जारी इस सूची में सीसीएसयू के एमेरिटस प्रो. पीके गुप्ता (कृषि बाटनी) व प्रो. एसवीएस राणा (विष विज्ञान), वर्तमान में कार्यरत प्रो. संजीव शर्मा भौतिकी, डा. सरू कुमारी गणित और डा. वैशाली एम. पाटिल फार्मेसी विभाग से हैं। इनके अलावा सीसीएसयू के इतिहास में पहली बार पीएचडी शोधार्थी दीपक कुमार (भौतिकी) को भी इस सूची में शामिल किया गया है। दीपक कुमार प्रो. संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में पीएचडी कर रहे हैं। वर्तमान में वह रिसर्च के सिलसिले में कुछ महीनों के लिए दक्षिण कोरिया गए हैं।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय की सूची में शामिल होने वालों के कार्यों का विभिन्न मापदंडों के आधार पर आकलन के बाद सबसे प्रभावशाली शोधकर्ताओं की पहचान की जाती है। इनका चयन उच्च गुणवत्ता के शोध और साइटेशन के आधार पर होता है। दीपक का चयन भी उनके शोध पर इम्पैक्ट फैक्टर 32 आने पर चुना गया।

प्रो. संजीव शर्मा को उनके फोटो कैटालिसिसि, सेंसर एंड नैनो स्ट्रक्चर्ड मैटेरियल्स में उनके अग्रणी अनुसंधान के लिए

प्रो. पीके गुप्ता | प्रो. एसवीएस राणा | डॉ. सरू कुमारी

प्रो. संजीव शर्मा | शोधार्थी दीपक | डॉ. वैशाली

जाना जाता है। उनके शोध मैटेरियल्स टुडे, मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग और कोआर्डिनेशन केमिस्ट्री रिव्यूज में छप चुके हैं। उनका एच–इंडेक्स 28 और साइटेशन 2,267 है।

प्रो. पीके गुप्ता व प्रो. एसवीएस राणा 20 वर्षों से एमेरिटस प्रोफेसर हैं और अग्रणी शोधकर्ता रहे हैं।

डा. सरू कुमारी ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया व नवाचारों को प्रोत्साहित किया। वह शोधकर्ताओं की अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा भी हैं।

सीसीएसयू में चरक स्कूल आफ फार्मेसी की प्रिंसिपल डा. वैशाली का एच–इंडेक्स 17 और साइटेशन 1,062 है।

'भारतीय कम्युनिकेशन पैटर्न' पुस्तक का विमोचन

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुनील अंबेकर रहे

परिसर संवाददाता

मेरठ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में चार अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर एक कार्यक्रम के लिए पधारे। इस दौरान उन्होंने 'भारतीय कम्युनिकेशन पैटर्न' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया।

इस पुस्तक को तिलक स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार और विभाग की शिक्षिका डॉ. बीनम यादव ने संयुक्त रूप से लिखा है।

इस दौरान अपने संबोधन में सुनील अंबेकर ने कहा कि आज के समय में इस प्रकार की पुस्तकों की बेहद आवश्यकता है। यह पुस्तक निश्चित ही भारतीय ज्ञान परंपरा के बारे में हमारी जिज्ञासाओं को शांत करने का प्रयास करेगी।

विमोचन के अवसर पर पदम् जी, अजय मित्तल, सुरेंद्र जी और विभाग के सभी शिक्षक भी उपस्थित रहे।

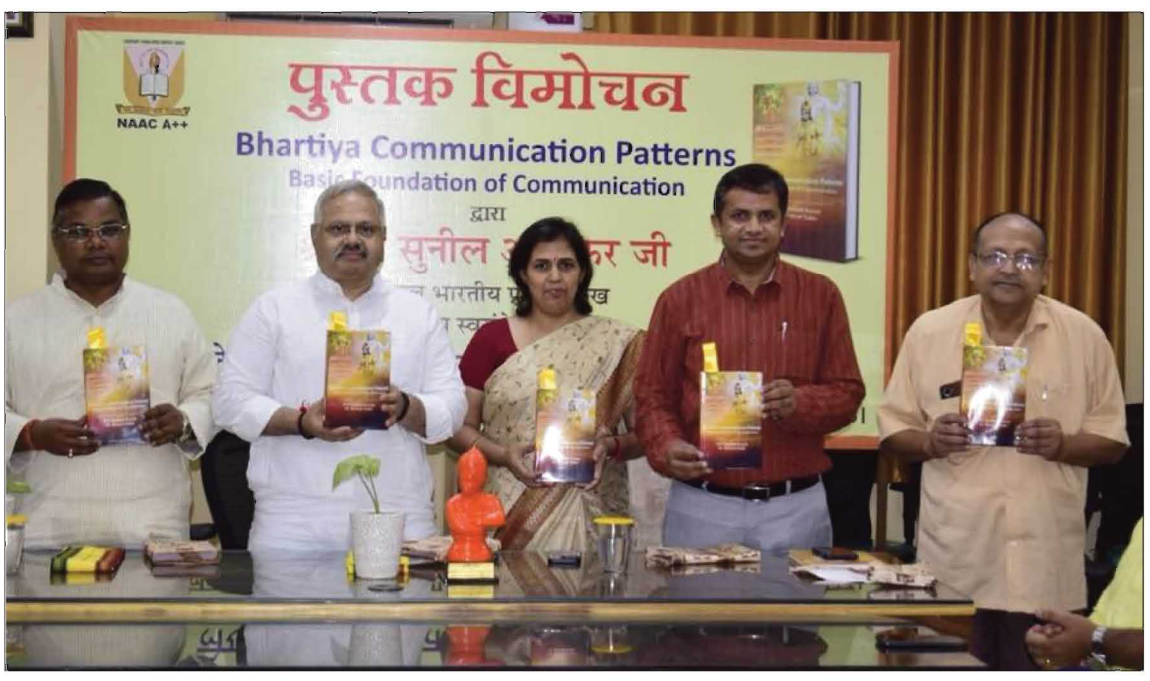

पुस्तक का विमोचन करते सुनील अंबेकर (बाएं से दूसरे)। साथ में हैं पद्मजी, पुस्तक के लेखकद्वय प्रोफेसर प्रशांत कुमार और डॉ. बीनम यादव तथा अजय मित्तल।

सभी छात्र–छात्राओं की होगी यूनिक आईडी

मेरठ (परिसर संवाददाता)। विवि कैंपस और संबद्ध कॉलेजों में पंजीकृत होने वाले सभी छात्र– छात्राओं की पंजीकरण संख्या (एनरोलमेंट) ही यूनिक आईडी की तरह विकसित होगी। भविष्य में यह यूनिक आईडी सीसीएसयू या अन्य किसी भी विवि में जाने पर प्रयुक्त होगी और इसी पर उच्च शिक्षा के समस्त रिकॉर्ड भी दर्ज रहेंगे। सीसीएसयू ने बीते वर्षों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के रिकॉर्ड को भी समर्थ पोर्टल पर अपलोड करना शुरू कर दिया है।

विवि के अनुसार विद्यार्थियों को यह सुविधा समर्थ पोर्टल के पूरी तरह से लागू होने के बाद मिलने लगेगी। इस पर काम शुरू हो चुका है। विवि को समर्थ पोर्टल के 42 मॉड्यूल को पूरी तरह से लागू करना है। अभी विवि 12 मॉड्यूल पर काम पूरा कर चुका है। इसमें सेलरी, समस्त कर्मचारियों का पोर्टल पर पंजीकरण, छुट्टियां, वेतन भुगतान, बिल भुगतान सहित कई प्रक्रिया समर्थ से शुरू हो चुकी हैं।

वन्य जीव संरक्षण का संदेश : सीसीएसयू, वन विभाग और नमामि गंगे की ओर से परिसर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें खेल के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण का संदेश दिया गया।

परिसर में अब ओपन जिम में करें व्यायाम

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी ने किया तपोवन के निकट जिम का लोकार्पण

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में तपोवन के निकट बने ओपन जिम का लोकार्पण राज्यसभा सदस्य डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी और कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने किया। डा. लक्ष्मीकांत के प्रस्ताव पर ही ओएनजीसी और अवंत फाउंडेशन के सहयोग से इस ओपन जिम का निर्माण कराया गया है।

कुलपति ने कहा कि सुबह और शाम विश्वविद्यालय परिसर में घूमने आने वाले शहरवासी ओपन जिम के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे।

डा. लक्ष्मीकांत ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में रोजाना हजारों लोग घूमने के लिए आते हैं। परिसर में स्थान भी है। यह ओपन जिम लोगों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करेगा। इस ओपन जिम में आठ तरह के उपकरण लगाए गए हैं जिससे पूरे शरीर का व्यायाम किया जा सकता है।

तपोवन के निकट ओपन जिम का लोकार्पण करते डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी और कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा, वित्त अधिकारी रमेश चंद्र, क्रीड़ा अधिकारी डा. गुलाब सिंह रुहल सहित अन्य मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण भाव को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं

'जल सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास के लक्ष्य' पर राष्ट्रीय गोष्ठी

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में 'जल सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास के लक्ष्य' विषय पर राष्ट्रीय गोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के राष्ट्रीय संयोजक गोपाल आर्या ने पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण के आसान तरीके समझाते हुए कहा कि मन में व्याप्त पर्यावरण संरक्षण के भाव को घर में दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। जल है तो कल है, नारे को जल है तो आज हैं, के रूप में समझने पर जोर दिया।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विश्वविद्यालय परिसर में तालाब निर्माण कराने की घोषणा की। अतिथियों संग हरिशंकरी की स्थापना करते हुए पौधे लगाए।

आइआइटी रुड़की के प्रोफेसर डा. एमएल कंसल ने जल संरक्षण पर सरकार के प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि यमुना नदी के दोनों किनारों पर 108 स्थानों पर भागवत कथा कराई जा रही है। पर्यावरण एवं जल कानून के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डा. अवधेश प्रताप ने भारत सरकार द्वारा जल सुरक्षा पर बनाए गए कानून व नीति पर प्रकाश डाला। जंतु विज्ञान की विभागाध्यक्ष डा. बिंदू शर्मा ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि आइआइएमटी ग्रुप ग्रुप के प्रबंध निदेशक डा. मयंक अग्रवाल सहित अन्य वक्ताओं ने पर्यावरण व जल संरक्षण पर विचार रखे।

राजस्थान के एमएसडी विवि अजमेर के पूर्व कुलपति व प्राणी विज्ञानी डा. केके शर्मा ने कहा कि सांपों का हमारे जीवन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अधिकांश सांप जहरीले नहीं होते हैं। सांप काटे तो घबराएं नहीं, बिना देर किए अस्पताल जाएं। उन्होंने सांप काटने की स्थिति में बचने के तरीके भी बताए।

मौसम विभाग के पूर्व सहायक निदेशक आनंद शर्मा ने बताया कि देहरादून मौसम विभाग का निदेशक होने के दौरान उन्होंने केदारनाथ बाढ़ की प्रबल संभावना के बारे में समय रहते सरकार को जानकारी दी थी, लेकिन सरकार ने अलर्ट जारी नहीं किया और न ही तीर्थ यात्रियों को ऊपर जाने से रोका गया।

सीसीएसयू कराएगा 47 खेल प्रतियोगिताएं

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की ओर से इस सत्र के अंतरमहाविद्यालय 2024–25 में महिला–पुरुष वर्ग की 47 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जाएंगी। विश्वविद्यालय ने अपडेट जानकारी के साथ स्पोर्ट्स कैलेंडर वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है।

किसी भी खेल की प्रतियोगिता के लिए न्यूनतम चार टीमों का होना आवश्यक है। कुछ खेलों की प्रतियोगिताओं के आयोजन की तिथियां भी निर्धारित की जा चुकी हैं। प्रतियोगिताएं अक्टूबर और नवंबर में होंगी। जैसे–जैसे विश्वविद्यालयों की आल इंडिया प्रतियोगिताओं की तिथियां निर्धारित हो रही हैं, उसी के अनुरूप सीसीएसयू की ओर से भी प्रतियोगिताओं के आयोजन की तिथि और आयोजक कालेजों के नाम भी अपडेट किए जा रहे हैं।

47 छात्रों को तीन लाख का पैकेज

परिसर संवाददाता

मेरठ। विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की अध्यक्षता एवं प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह गौरव के निर्देशन में रोजगार प्रकोष्ठ एवं अनअकैडमी कंपनी द्वारा रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें 47 छात्रों को 300000 के पैकेज पर चयनित किया गया।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने इस उपलब्धि पर छात्रों को बधाई देते हुए कहा यह हमारे विश्वविद्यालय और हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत का प्रमाण है। हम अपने छात्रों को विश्व स्तरीय करियर के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और अनअकैडमी जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में उनका चयन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कंपनी के आदित्य रावल ने कहा, ''हम यहां के छात्रों की तैयारी और उनके ज्ञान से बहुत प्रभावित हुए हैं। उनकी क्षमता को देखकर हमें विश्वास है कि वे हमारे संगठन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

अनअकैडमी की सीनियर मैनेजर तरंग ने कहा, हमारी कंपनी सिर्फ एक शिक्षा मंच नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा माध्यम है, जो छात्रों को उनकी आकांक्षाओं के प्रति मार्गदर्शन देता है। हम उन छात्रों को चुन रहे हैं जो डिजिटल शिक्षा के इस भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

रोजगार प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह गौरव ने कहा, ''हमारे छात्रों की सफलता से हमें गर्व है। हमारा उद्देश्य हमेशा यही रहा है कि हम छात्रों को न केवल शैक्षिक बल्कि व्यावसायिक रूप से भी मजबूत बनाएं।''

अटल सभागार में जल सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास के लक्ष्य पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

मिला पेटेंट कार्बन नैनो ट्यूब में तब्दील हो सकेगी घरेलू प्लास्टिक

परिसर संवाददाता

मेरठ। घरों में प्रयुक्त सिंगल यूज प्लास्टिक (केवल एक बार प्रयुक्त) को निस्तारित करने की विशेष विधि विकसित करने के लिए भौतिक विज्ञान के तीन प्रोफेसर को भारत सरकार ने पेटेंट दे दिया है। बिना कोई विषाक्त सॉल्वेंट प्रयुक्त किए तीनों ही प्रोफेसर ने प्लास्टिक को नैनो कार्बन ट्यूब में बदलने में सफलता पाई है। कार्बन क्वांटम डॉट्स नाम से चर्चित इन नैनो कार्बन ट्यूब को उद्योगों में प्रयुक्त किया जा सकेगा। यह पहले ऐसे कार्बन क्वांटम डॉट्स होंगे जो पानी में घुल जाएंगे। यह विधि सिंगल यूज प्लास्टिक को निस्तारित करने में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।

इस विधि में घरेलू सिंगल यूज प्लास्टिक को टुकड़ों में काटा गया। फिर इन्हें सिलिका क्रूसिबल्स में कैल्सीनेशन प्रक्रिया की गई जो एक भट्टी में पूरी हुई। इसमें दस डिग्री सेल्सियस प्रति मिनट की हीटिंग रेट से तीन घंटे तक गर्म किया गया। फिर इसमें डिस्टिल वाटर मिलाकर दस घंटे तक अल्ट्रासोनिक बाथ प्रक्रिया की गई। इससे प्लास्टिक मॉलीक्यूल कार्बन क्वांटम डॉट्स में बदल गए।

उक्त विधि को सीसीएसयू कैंपस के फिजिक्स के प्रो. योगेंद्र कुमार गौतम, प्रो. वीरपाल एवं राजस्थान विवि के प्रो. विजय परेवा ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। प्रो. गौतम के अनुसार दुनिया में जो कार्बन क्वांटम डॉट्स तैयार हो रहे हैं वह पानी में घुलनशील नहीं हैं। दूसरा, इस विधि में कोई विषाक्त सॉल्वेंट प्रयुक्त नहीं किया गया जिससे प्रदूषण नहीं फैलता। प्रो. गौतम के अनुसार उन्होंने इस प्रक्रिया में तीन सौ डिग्री सेल्सियस तापमान पर कैल्सीनेशन प्रक्रिया की जबकि दुनिया में इसके लिए छह सौ डिग्री सेल्सियस तापमान प्रयुक्त किया जा रहा है। ऐसे में यह विधि पर्यावरण के अनुकूल, सरल और ज्यादा सटीक है।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

नुक्कड़ नाटक : तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में 18 सितंबर को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना' के संबंध में मंत्रालय की ओर से नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतिकरण किया गया।

मॉक पार्लियामेंट का आयोजन

मेरठ। संविधान द्वारा स्थापित भारतीय सरकार का गठन संसदीय प्रणाली से होगा। यह विचारधारा भारतीय संस्कृति में पौराणिक काल से स्थापित है। ये बातें विश्वविद्यालय के विधि अध्ययन संस्थान में सरकारी दक्षता विषय पर आयोजित मॉक पार्लियामेंट संस्थान के समन्वयक डॉ. विवेक त्यागी ने कही।

सरकार का पक्ष रखते हुए ईशान भारद्वाज, सृजना, अनमोल, शगुन, सलोनी, ईशिता, खुशी आदि ने विपक्ष के द्वारा पूछे गए सवालों पर तर्कसंगत जवाब दिए। विपक्ष के नेताओं में पलक रावल, तान्या, कार्तिकय, अनन्या, हर्षिता, प्रकृति, नील आदि ने विभिन्न घटनाओं व न्यायायिक बदलावों के बारे में प्रश्न पूछे। अध्यक्षता अनुज कुमार व संचालन प्रियांशी ने किया। इस दौरान डॉ. सुदेशना, डॉ. कुसुमावती, आशीष आदि मौजूद रहे।

प्रगति के लिये महापुरुषों के विचार अनुकरणीय : कुलपति

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में विवि वीसी प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि सत्य और अहिंसा केवल गांधी जी के आदर्श नहीं थे, बल्कि ये उन मूल्यों का प्रतीक हैं, जो समाज में स्थायी शांति और प्रगति के लिए आवश्यक हैं।

वीसी ने इस दौरान मुख्य द्वार पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा के दौरान विवि परिसर में स्वच्छता अभियान और विचार गोष्ठी का शुभारंभ विवि वीसी प्रो. संगीता शुक्ला ने किया।

इस दौरान रामधुन कार्यक्रम में विवि के वरिष्ठ आचार्य प्रो. मृदुल गुप्ता, चीफ प्रॉक्टर एवं शोध निर्देशक प्रो. बीरपाल सिंह, साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की अध्यक्ष प्रो. नीलू जैन गुप्ता, समन्वयक प्रो. केके शर्मा और अन्य शिक्षकों, कर्मचारियों तथा अधिकारियों के साथ महान स्वतंत्रता सेनानियों को पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें स्वच्छ और सशक्त भारत के निर्माण के प्रति सभी ने अपना संकल्प दोहराया।

दो अक्टूबर को रामधुन कार्यक्रम में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्जवलित करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

कांशीराम परिनिर्वाण दिवस मना

मेरठ। कांशीराम शोधपीठ में बुधवार 9 सितंबर को कांशीराम परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी का विषय था– कांशीराम, सामाजिक विकास एवं विकसित भारत। 'युवाओं में बढ़ते अवसाद का कारण सोशल मीडिया' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता भी कराई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने की। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के अनुसूचित जाति–जनजाति आयोग के सदस्य हरेंद्र जाटव रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सहायक आयुक्त छविंद्र सैन, केके जैन पीजी कॉलेज खतौली से डॉ. राजीव कौशिक, आरजी कॉलेज की प्राचार्य प्रो. निवेदिता मलिक और सेंसरपाल रहे।

राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि कांशीराम समाज के अग्रदूत थे। उन्होंने समाज की दशा और दिशा, दोनों को परिवर्तन करने के लिए सफल प्रयोग किया। हरेंद्र जाटव ने कहा कि कांशीराम वैश्विक कद के नेता थे। यदि हम विकसित भारत की कल्पना करते हैं तो समाज से जातिवाद और भेदभाव को खत्म करना जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर दिनेश कुमार ने किया।

वाद–विवाद प्रतियोगिता में शिवानी धामा और कुशगिरी गोस्वामी ने प्रथम, रिया चौधरी और सानिया बालियान ने द्वितीय और भावना पाल व रिया चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

गरबा के रंग

सर छोटू राम इंजीनियरिंग कॉलेज में नवरात्रि के अवसर पर 'गरबा ईवनिंग' का आयोजन किया गया। इस दौरान मिनिन यूनिवर्सिटी, रूस से सीसीएसयू में रूसी भाषा सिखाने आईं प्रो. नादेज्या ने भी शिक्षिकाओं और छात्राओं के संग गरबा नृत्य में भाग लेकर भारतीय संस्कृति एवं परंपरा को नजदीक से जाना।

कैंपस में याद की गईं दुर्गाभाभी

मेरठ। सीसीएसयू कैंपस स्थित दुर्गाभाभी गर्ल्स हॉस्टल में दुर्गाभाभी की जयंती पर साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद द्वारा हुई सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। चीफ वार्डन प्रो. दिनेश कुमार एवं वार्डन डॉ. सरु कुमारी के निर्देशन में छात्राओं ने एकल नृत्य, सामूहिक नृत्य, भाषण प्रतियोगिता और कविता पाठ में हिस्सा लिया। डॉ. सरू कुमारी ने कहा कि दुर्गा भाभी का जीवन प्रेरणास्त्रोत है। प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि दुर्गा भाभी का जीवन संघर्ष और साहस का अद्वितीय उदाहरण हैं।

कला को अपनी आय का साधन बनाएं : कुलपति

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विवि के ललित कला विभाग के तत्वावधान में आयोजित कौशल विकास रोजगार कला प्रदर्शनी का कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने शुभारंभ किया।

राजेश त्यागी एवं राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कलाकार डॉ. दुर्जन सिंह राणा ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कुलपति ने विद्यार्थियों को दिवाली से पूर्व अपनी कलाकृतियों को बेचने के लिए तथा उन्हें रोजगार का साधन बनाने के लिए दिवाली मेला लगाने की सलाह दी। प्रसिद्ध चित्रकार डॉ. दुर्जन राणा ने प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की कलाकृतियों को देखते हुए अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि विभाग का कार्य अत्यंत उत्कृष्ट श्रेणी का है। प्रो. अलका तिवारी समन्वयक ललित कला विभाग ने सभी का स्वागत किया।

मेरा रंग दे बसंती चोला... गीत गाकर भर दिया जोश

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू के इतिहास विभाग में अमर बलिदानी भगत सिंह की 117वीं जयंती पर साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हरियाणा सरकार में हायर एजुकेशन विभाग में डिप्टी डायरेक्टर से सेवानिवृत प्रो. जसबीर कौर रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में इतिहास में गहरी रुचि रखने वाले अनेक पुस्तकों के लेखक अमित राय जैन और पंकज पाराशर रहे।

इतिहास की छात्रा ज्योति मय ने सरस्वती वंदना की और कुश गिरी और शिवानी ने मेरा रंग दे बसंती चोला गीत गाया। स्वागत भाषण इतिहास विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर केके शर्मा ने देते हुए कहा कि आज इस कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथि अपने–अपने क्षेत्र के विद्वान और सौम्य व्यक्तित्व के धनी हैं।

प्रो. एवी कौर ने कार्यक्रम की विषय स्थापना करते हुए ऐसे कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता प्रोफेसर नीलू जैन ने की। संचालन डॉ. योगेश कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ. कुलदीप कुमार त्यागी, डॉ. मनीष त्यागी डॉ. शालिनी प्रज्ञा, डॉ. दीपक, डॉ. योगेंद्र गौतम, डॉ. रेनू व डॉ. मयंक विशेष रूप उपस्थित रहे।

भगत सिहं जयंती पर ललित कला विभाग में चित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई।

फिल्मोत्सव में भागीदारी : तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के छात्रों ने मथुरा में नवधा फिल्मोत्सव में भाग लिया। फिल्मोत्सव की थीम गाय और इससे जुड़े विषय रहे। फिल्मोत्सव में अभिनेत्री हेमामालिनी ने भी भाग लिया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांत को अपनाने से बन सकता है आत्मनिर्भर भारत

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में हुआ वीकेंड अभिव्यक्ति का आयोजन

परिसर संवाददाता

मेरठ। पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानवदर्शन का सिद्धांत भारतीय दर्शन और जीवन दृष्टि पर आधारित एक समग्र विचारधारा है, जिसका उद्देश्य समाज के हर वर्ग का समग्र विकास करना है। यह दर्शन केवल भौतिक प्रगति पर ही जोर नहीं देता, बल्कि मनुष्य के नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास को भी महत्व देता है। यदि इस दर्शन के सिद्धांतों को सही ढंग से लागू किया जाए, तो यह भारत को एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने में सहायक हो सकता है। यह बात तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में आयोजित वीकेंड अभिव्यक्ति के दौरान मुख्य वक्ता यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. मुनेश कुमार ने कही।

कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते डॉ. मुनेश कुमार।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में हर शनिवार 'वीकेंड अभिव्यक्ति' कार्यक्रम होता है। इसमें छात्र–छात्राएं भाषण, क्विज प्रतियोगिता में भाग लेते हैं और कविता, गीत आदि भी प्रस्तुत करते हैं।

डॉ. मुनेश कुमार ने कहा कि एकात्म मानववाद का सिद्धांत पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 1965 में भारतीय जनसंघ के सम्मेलन में प्रस्तुत किया। इसका मूल विचार यह है कि व्यक्ति, समाज और प्रकृति का आपसी संबंध संतुलित और समग्र होना चाहिए। इसमें किसी भी एक पहलू को प्राथमिकता देकर बाकी पहलुओं को नजरअंदाज नहीं किया जाता। यह दर्शन भारतीय समाज की पारंपरिक सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यो के आधार पर जीवन के हर पहलू का विकास करने का मार्ग दिखाता है।

अजय मित्तल ने कहा कि शहीद भगत सिंह क्रांतिकारी विचारधारा के समर्थक थे और उन्हें अहिंसात्मक तरीकों के बजाए सशस्त्र क्रांति में विश्वास था। भगत सिंह का मानना था कि स्वतंत्रता केवल प्रार्थना या निवदेन से नहीं मिल सकती बल्कि इसके लिए संघर्ष और बलिदान की आवश्यकता है। उनके इसी दृढ संकल्प ने उन्हें असाधारण क्रांतिकारी बना दिया।

इससे पहले, छात्र–छात्राओं ने भाषण प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार, डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, लव कुमार, डॉ. बीनम यादव, डॉ. मनु कौशिक और विभाग के छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

तिलक पत्रकारिता स्कूल ने स्वच्छता अभियान चलाया

मेरठ। चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता विभाग में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें विभाग के विद्यार्थियों, शिक्षकों के साथ ही नगर निगम की टीम ने प्लास्टिक के कचरे को साफ किया। स्वच्छता अपनाने के लिए जागरूक किया गया। विभाग के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार ने स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में डॉ. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. बीनम, डॉ. दीपिका, लव कुमार, निशांत, महक, आकाश, प्रियांशु, अमराह, राजीव, हर्षिता, राहुल, प्रशांत, अंकित, विपिन, मोहित, संजीव, आदि मौजूद रहे।

जीजीआईसी की छात्राओं ने किया तिलक स्कूल का भ्रमण

मेरठ। राजकीय कन्या इंटर कॉलेज परीक्षितगढ़ की करीब ढाई सौ छात्राओं ने सोमवार 30 सितंबर को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस दौरान छात्राओं ने विवि परिसर में स्थित तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के टीवी और रेडियो स्टूडियो का भी दौरा किया और वहां की कार्यप्रणाली को जाना।

उत्साहित और अनुशासित छात्राओं ने तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के कम्प्यूटर लैब में अखबार बनाने की प्रक्रिया को भी जाना। उन्होंने विभाग की लाइब्रेरी को भी देखा। विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने छात्राओं और उनके शिक्षक, शिक्षिकाओं का स्वागत किया।

टीवी स्टूडियो में डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, रेडियो स्टेशन में डॉ. बीनम यादव और कंप्यूटर लैब में डॉ. दीपिका वर्मा ने छात्राओं को पत्रकारिता के विभिन्न पक्षों से परिचित कराया। छात्राओं को विभाग के ऊपर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म के साथ ही एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। छात्राओं ने अपने इस भ्रमण को अपने जीवन का एकदम नया और बेहतरीन अनुभव बताया।

Interesting play on cyber bullying

Shaurya Ray

Meerut. Mahila Adhyan Kendra of Chaudhary Charan Singh University had conducted a play on cyber bullying on 21th of October in the department of psychology. The guest of honour in the program was Kumkum parikh from RG college meerut.

The students of psychology department has organised Mission Shakti Abhiyan in which they aware people about the anxiety, depression and how to procure ourselves from it. The topic of this program was cyber bullying. Nowadays the people are being trapped in cyber bullying. Many victims of cyber bullying attempt to suicide. To prevent people from it, the first year students of psychology department had conducted a play in which Charu, Suhasni, Kalyani, Dixita were the part of it. Dr. Sanjay Kumar, the H.O.D. facilitated the students by shields in appreciation.

वीरांगनाओं के जीवन पर भाषण प्रतियोगिता

श्री धामा

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित महिला अध्ययन केन्द्र और मिशन शक्ति की ओर से 22 अक्टूबर को भारत की वीरांगनाओं के जीवन चरित्र पर भाषण प्रतियोगिता और व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन इतिहास विभाग के वीर बन्दा बैरागी सभागर में हुआ।

विभाग अध्यक्ष डॉ आराधना के नेतृत्व में हुए क्रार्यक्रम में 63 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने नीरा आर्य, रानी पेनम्मा, रानी कर्णावती, रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुगा. ंवती, अहिल्याबाई होलकर, सरोजिनी नायडू, सावित्री बाई फुले, उषा मेहता जैसी महान भारतीय वीरांगनाओं के जीवन पर भाषण दिया। डॉ. अपेक्षा चौधरी, डॉ. बिंदु शर्मा, डॉ. नेहा और डॉ. केके शर्मा निर्णायक मंडल में शामिल रहे। प्रथम स्थान शिवानी धामा को मिला। दूसरे स्थान पर भानू प्रताप और तीसरे स्थान पर खुशी शर्मा व कुश गिरि रहे। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा त्यागी ने किया।